लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 03 July 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पेरिस में शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे सर्वेश व श्वेता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के दो शोधार्थी फ्रांस के पेरिस में हो रहे आठवें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में अपना शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। शोधार्थी सर्वेश कुमार अविनाशी और श्वेता को इस कॉन्फ्रेंस में 21 और 22 सितंबर को शामिल होना है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह लविवि के लिए गौरव की बात है कि हमारे दो शोधार्थियों को इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के लिए चुना गया है। उनकी भागीदारी उनकी विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने के साथ-साथ लविवि को भी वैश्विक वैज्ञानिक मंच पर रखेगी। शोधार्थियों ने इस कॉन्फ्रेंस में भागीदारी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड से वित्तीय सहायता मांगी है। कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय औषधीय अनुसंधान संस्थान की डॉ. दिव्या सिंह और डॉ. कृति शर्मा भी शोधपत्र प्रस्तुत करेंगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू छात्र फ्रांस में साझा करेंगे शोध

उपलब्धि

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। एलयू के विज्ञान (भौतिक विज्ञान) के दो शोधार्थी पेरिस में होने वाली 8वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में अपना शोध प्रस्तुत करेंगे। शोधार्थी सर्वेश कुमार अविनाशी और श्वेता कांफ्रेंस में 21-22 सितंबर को भागीदारी करेंगे।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है। उनकी भागीदारी सिर्फ उनके विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने के साथ-साथ लखनऊ विश्वविद्यालय को वैश्विक वैज्ञानिक मंच पर भी रखेगी।

शोध कार्य में अन्य शोधार्थी तथा केंद्रीय औषधीय अनुसंधान संस्थान की डॉ. दिव्या सिंह और डॉ. कृति शर्मा शामिल हैं। पीएचडी सुपरवाइजर डॉ. सी आर गौतम ने कहा कि एलयू ने शैक्षणिक सहयोग को सुविधाजनक बनाने के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है।

मैकेनिकल, बायोलॉजिकल विकास पर प्रस्तुति

कांफ्रेंस में सर्वेश कुमार अविनाशी की प्रस्तुति का टॉपिक मोर्फोलॉजिकल, मैकेनिकल और बायोलॉजिकल विकास पर होगी। जिसमें हाइड्रॉक्सीएपाटाइट और टाइटेनियम कार्बाइड के संयोजन का अध्ययन किया जाएगा। जो इसे बायोमेडिकल क्षेत्र में संभावित उपयोगों की जांच करेगा। वहीं श्वेता की प्रस्तुति डोप्ड मशीनेबल सिलिकेट ग्लास सिरेमिक के संरचनात्मक, मौर्फोलॉजिकल और मैकेनिकल परिदृश्य: बायोमेडिकल उपयोगों के लिए पर विचार करेगी। उनके शोध में डोप्ड मशीनेबल सिलिकेट ग्लास सिरेमिक की संरचनात्मक, मोर्फोलॉजिकल और मैकेनिकल विशेषताओं का अध्ययन होगा।

i-NEXT PAGE 4

अल्पसंख्यक कॉलेजों में लिखित परीक्षा से होगा शिक्षकों का चयन

एलयू ने चयन प्रक्रिया में किया बदलाव, कार्य परिषद की बैठक में प्रस्ताव मंजूर

LUCKNOW (2 July): लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अल्पसंख्यक महाविद्यालयों को अब असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्तियों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करनी होगी. इसके बाद अभ्यर्थियों के रिसर्च स्कोर व लिखित परीक्षा के अंकों को वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होगा. नियुक्तियों में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने के लिए बीते दिनों हुई लवि की कार्य परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई.

कई शिकायतें आई थीं

वर्तमान व्यवस्था के तहत अल्पसंख्यक कालेज शासन से पदों पर नियुक्ति के लिए अनुमति लेकर विज्ञापन जारी कर आवेदन लेते हैं. फिर लवि के पास विशेषज्ञों का पैनल भेजकर अनुमति लेकर साक्षात्कार करते हैं. कई बार इन नियुक्तियों में प्रबंधन की ओर से अपने चहेतों का चयन किए जाने सहित तमाम शिकायतें सामने आ चुकी हैं. कुछ महीने पहले इन शिकायतों को संज्ञान में लेकर राजभवन ने भी कमेटी बनाकर चयन संबंधी निर्देश जारी किए थे. लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन अल्पसंख्यक कालेजों में नियुक्तियों के संबंध में मार्गदर्शन मांगा था. वहां से गाइडलाइन आने के बाद बीते दिनों हुई कार्य परिषद से भी इसे मंजूरी दे दी गई. तय हुआ कि अब राजभवन से जो नियम आए हैं, उसके अनुसार चयन प्रक्रिया की जाए. लिखित परीक्षा कराना बाध्यकारी है.

साक्षात्कार में एक पद पर 10 को बुलाना होगा

अल्पसंख्यक कालेजों को असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन के लिए लिखित परीक्षा करानी होगी. अभ्यर्थी के रिसर्च स्कोर व लिखित परीक्षा के अंक कालेज की वेबसाइट पर अपलोड करने होंगे. यदि एक पद पर चयन होना है तो साक्षात्कार के लिए 10 अभ्यर्थी, दो पदों के लिए 15, तीन पदों के लिए 20 अभ्यर्थी बुलाए जाएंगे. साक्षात्कार की पूरी वीडियो रिकार्डिंग भी करानी होगी, ताकि कोई शिकायत होने पर जांच की जा सके.

एसोसिएट प्रोफेसर के लिए ये प्रक्रिया

कुलपति ने बताया कि एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए आवेदकों के रिसर्च स्कोर वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे. साक्षात्कार के लिए उसी फार्मूले से अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा जो असिस्टेंट प्रोफेसर में तय किया गया है. इसकी भी वीडियो रिकार्डिंग अनिवार्य है.

"अल्पसंख्यक कालेजों को अब शिक्षकों की नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा करानी होगी. रिसर्च स्कोर और लिखित परीक्षा के अंक भी अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने होंगे. साक्षात्कार की वीडियो रिकार्डिंग भी अनिवार्य है. नियुक्तियों में पारदर्शी व्यवस्था के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है.

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

NBT PAGE 6

पेरिस में शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे LU के सर्वेश और श्वेता

सर्वेश अविनाशी और श्वेता।

एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के भौतिक विज्ञान के दो शोधार्थी पेरिस में होने वाली इंटरनैशनल कॉन्फ्रेंस में अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। नेटेरियल्स साइंस एंड इंजिनियरिंग विषय पर फ्रांस की राजधानी पेरिस में 21 से 22 सितंबर के बीच 8वीं इंटरनैशनल कॉन्फ्रेंस होगी। इस उपलब्धि से दोनों शोधार्थियों में काफी उत्साह है।

एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए शोधार्थी सर्वेश अविनाशी और श्वेता ने अपने-अपने टॉपिक भेजकर आवेदन किया था। अब दोनों को कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी गई है। इंटरनैशनल कॉन्फ्रेंस के लिए इन शोधार्थियों का चुना जाना गर्व की बात है।

शोधार्थियों ने कॉन्फ्रेंस के लिए मांगी मदद : दोनों शोधार्थियों ने कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड से वित्तीय सहायता मांगी है। इसके अलावा इसमें केंद्रीय औषधीय अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) की डॉ. दिव्या सिंह और डॉ. कृति शर्मा भी शामिल हैं। इस बारे में पीएचडी सुपरवाइजर डॉ. सीआर गौतम ने बताया कि शोधार्थी सर्वेश अविनाशी का टॉपिक 'मोर्फोलॉजिकल, मैकेनिकल और बायोलॉजिकल विकास' है। इस शोध की मदद से बायोमेडिकल क्षेत्र में संभावित उपयोगों की जांच की जा सकेगी। श्वेता के शोध पत्र में La2O3 डोप्ड मशीनेबल सिलिकेट ग्लास सिरेमिक का अध्ययन होगा।

i-NEXT PAGE 4

सर्वेश, श्वेता इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में

8वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग का बनेंगे हिस्सा

LUCKNOW (2 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी के विज्ञान (भौतिक विज्ञान) के दो शोधार्थियों को पेरिस, फ्रांस में होने वाली 8वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में अपने शोध कार्य का प्रस्तुतिकरण करने का मौका मिलेगा. सर्वेश कुमार अविनाशी और श्वेता 21-22 सितंबर को कार्यक्रम में भाग लेंगे. एलयू के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इन शोधार्थियों की उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा, एलयू के लिए यह बहुत गर्व की बात है, हमारे दो शोधार्थियों को अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के लिए चुना गया है.

मांगी वित्तीय सहायता

शोधार्थियों ने इस कॉन्फ्रेंस में भागीदारी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एससीईआरबी) से वित्तीय सहायता मांगी है. इसके अलावा, शोध कार्य में अन्य शोधार्थी व केंद्रीय औषधीय अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) की डॉ. दिव्या सिंह और डॉ. कृति शर्मा शामिल हैं. शोधार्थियों के पीएचडी सुपरवाइजर डॉ. सीआर गौतम ने उनके शोध प्रगति से खुशी व्यक्त की और परियोजना में शामिल अन्य शोधार्थियों, जैसे रजत कुमार मिश्रा, सविता कुमारी, एजाज हुसैन और जैरिन फातिमा के योगदान की भी सराहना की. सर्वेश कुमार अविनाशी की प्रस्तुति का टॉपिक मोर्फोलॉजिकल, मैकेनिकल और बायोलॉजिकल विकास पर होगी, जिसमें हाइड्रॉक्सीएपाटाइट और टाइटेनियम कार्बाइड के संयोजन का अध्ययन किया जाएगा, जो इसे बायोमेडिकल क्षेत्र में संभावित उपयोगों की जांच करेगा. वहीं, श्वेता की प्रस्तुति एलए203 डोप्ड मशीनेबल सिलिकेट ग्लास सिरेमिक के संरचनात्मक, मौर्फोलॉजिकल और मैकेनिकल परिदृश्य बायोमेडिकल उपयोगों के लिए पर विचार रखेंगी. उनके शोध में, एलए203 डोप्ड मशीनेबल सिलिकेट ग्लास सिरेमिक की संरचनात्मक, मौर्फोलॉजिकल और मैकेनिकल विशेषताओं का अध्ययन होगा.

JAGRAN CITY PAGE III

लिखित परीक्षा से होगा शिक्षकों का चयन

लवि ने अल्पसंख्यक कालेजों की चयन प्रक्रिया में किया बदलाव प्रस्ताव स्वीकृत

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अल्पसंख्यक महाविद्यालयों को अब असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्तियों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करनी होगी। इसके बाद अभ्यर्थियों के रिसर्च स्कोर व लिखित परीक्षा के अंकों को वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। नियुक्तियों में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने के लिए बीते दिनों हुई लवि की कार्य परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

वर्तमान व्यवस्था के तहत अल्पसंख्यक कालेज शासन से पदों पर नियुक्ति के लिए अनुमति लेकर विज्ञापन जारी कर आवेदन लेते हैं। फिर लवि के पास विशेषज्ञों का पैनल भेजकर अनुमति लेकर साक्षात्कार करते हैं। कई बार इन नियुक्तियों में प्रबंधन की ओर से अपने चहेतों का चयन किए जाने सहित तमाम शिकायतें सामने आ चुकी हैं। कुछ महीने पहले इन शिकायतों को संज्ञान में लेकर राजभवन ने भी कमेटी बनाकर चयन संबंधी निर्देश जारी किए थे। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन अल्पसंख्यक कालेजों में नियुक्तियों के संबंध में मार्गदर्शन मांगा था। वहां से गाइडलाइन आने के बाद बीते दिनों हुई कार्य परिषद से भी इसे मंजूरी दे दी गई। तय हुआ कि अब राजभवन से जो नियम आए हैं, उसके अनुसार चयन प्रक्रिया की जाए।

साक्षात्कार में एक पद पर बुलाने होंगे 10 अभ्यर्थी

अल्पसंख्यक कालेजों को असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन के लिए लिखित परीक्षा करानी होगी। अभ्यर्थी के रिसर्च स्कोर व लिखित परीक्षा के अंक कालेज की वेबसाइट पर अपलोड करने होंगे। यदि एक पद पर चयन होना है तो साक्षात्कार के लिए 10 अभ्यर्थी, दो पदों के लिए 15, तीन पदों के लिए 20 अभ्यर्थी बुलाए जाएंगे। साक्षात्कार की पूरी वीडियो रिकार्डिंग भी करानी होगी, ताकि कोई शिकायत होने पर जांच की जा सके।

एसोसिएट प्रोफेसर के लिए ये प्रकिया

कुलपति ने बताया कि एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए आवेदकों के रिसर्च स्कोर वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। साक्षात्कार के लिए उसी फार्मूले से अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा जो असिस्टेंट प्रोफेसर में तय किया गया है। इसकी भी वीडियो रिकार्डिंग अनिवार्य है।

"अल्पसंख्यक कालेजों को अब शिक्षकों की नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा करानी होगी। रिसर्च स्कोर और लिखित परीक्षा के अंक भी अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने होंगे। साक्षात्कार की वीडियो रिकार्डिंग भी अनिवार्य है। नियुक्तियों में पारदर्शी व्यवस्था के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। -प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

पेरिस में शोध कार्य प्रस्तुत करेंगे भौतिक विज्ञान के दो शोधार्थी

लवि के शोधार्थी सर्वेश अविनाशी व श्वेता को शोध प्रस्तुति की मिली मंजूरी • लवि

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के दो शोधार्थियों सर्वेश कुमार अविनाशी और श्वेता को पेरिस में होने वाली आठवीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन मटीरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में अपने शोध कार्य का प्रस्तुत करने की मंजूरी मिली है। यह कांफ्रेंस 21 व 22 सितंबर को होगी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि दोनों शोधार्थियों की भागीदारी उनकी विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने के साथ-साथ लखनऊ विश्वविद्यालय को वैश्विक वैज्ञानिक मंच पर भी रखेगी। शोधार्थियों ने इस कांफ्रेंस में भागीदारी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड से वित्तीय सहायता मांगी है। सर्वेश कुमार अविनाशी की प्रस्तुति का टापिक मोर्फोलाजिकल, मैकेनिकल और बायोलाजिकल विकास और श्वेता की प्रस्तुति एलए 203 डोप्ड मशीनेबल सिलिकेट ग्लास सिरेमिक के संरचनात्मक, मौर्फोलाजिकल और मैकेनिकल परिदृश्य पर आधारित है।

केकेवी : कालेज स्तर पर होंगे पीजी के दाखिले

जासं, लखनऊ: बप्पा श्री नारायण वोकेशनल पीजी कालेज (केकेवी) नए सत्र 2023-24 में परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले अपने स्तर पर ही मेरिट से लेगा। कालेज लखनऊ विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में शामिल नहीं होगा। रविवार को हुई कालेज प्रबंध समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

केकेवी में परास्नातक कोर्सों में एमएससी जूलाजी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स व जियोलाजी में 30-30 सीटें हैं। वहीं, एमए समाज शास्त्र, हिन्दी में 60-60, एमए संस्कृत, अंग्रेजी, इकोनामिक्स, पालिटिकल साइंस व एमकाम में 50-50 सीटें निर्धारित हैं। पहली बार एमएससी जियोलाजी को भी लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्धता दी है। प्राचार्य प्रोफेसर संजय मिश्रा ने बताया कि अभी तक पीजी के दाखिले के लिए कालेज लवि की केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में जाने की तैयारी कर रहा था, लेकिन रविवार को कालेज प्रबंध समिति की बैठक में कालेज स्तर पर ही मेरिट से प्रवेश लेने पर सहमति बनी।

सोमवार को प्रवेश समिति की बैठक कर पीजी की आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की समय सारिणी तय होगी। बैठक में अध्यक्ष टीएन मिश्र, उपाध्यक्ष एसके पांडेय, मंत्री प्रबंधक संजीव शर्मा, प्राचार्य प्रोफेसर संजय मिश्रा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

THE PIONEER PAGE 2

LU students to present research work in Paris

PNS ■ LUCKNOW

Two research scholars from the physics department of Lucknow University — Sarvesh Kumar Avinashi and Shweta — have received approval to present their research work at the 8th International Conference on Material Science and Engineering in Paris. The conference, scheduled for September 21-22, will have experts and researchers from around the world to discuss advances in the field.

LU Vice-Chancellor Prof. Alok Kumar Rai expressed pride in the scholars' achievement and highlighted the significance of their research contributions. "It is a great honour for our institution to have two of our research scholars selected for this prestigious international conference. Their participation will not only showcase their expertise but also put the university on the global scientific map," he said.

The scholars' participation in the conference was made possible through financial support from the Department of Science and Technology (DST) and the Science and Engineering Research Board (SERB), from which the university had sought assistance.

Additionally, the research work is a collaboration between the scholars and the Central Drug Research Institute (CDRI), led by Dr Divya Singh and Dr Kriti Sharma. The conference presentation will showcase the joint efforts of the scholars and their collaborators.

Dr CR Gautam, the supervisor of the scholars, expressed satisfaction with their research progress and acknowledged the contributions of other research scholars involved in the project — Rajat Kumar Mishra, Savita Kumari, Ejaz Hussain, and Jairin Fatima.

Avinashi's presentation will focus on 'Morphological, mechanical, and biological evolution of pure hydroxyapatite and its composites with titanium carbide for biomedical applications.' His research delves into the exploration of hydroxyapatite and its composites with titanium carbide, investigating their potential applications in the biomedical field. Shweta's presentation will discuss structural, morphological, and mechanical insights from La2O3 doped machinable silicate glass ceramics for biomedical applications. Her research involves studying the structural, morphological, and mechanical characteristics of La2O3 doped machinable silicate glass ceramics and their potential biomedical applications.

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि : दो शोधार्थी पेरिस और फ्रांस में प्रस्तुत करेंगे शोध

कार्यलय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के दो शोधार्थियों को पेरिस, फ्रांस में आयोजित हो रही 8वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में अपने शोध कार्य का प्रस्तुतिकरण करने की मंजूरी मिली है। सर्वेश कुमार अविनाशी और श्वेता को पेरिस, फ़्रांस में आयोजित होने वाली इस कांफ्रेंस में 21-22 सितंबर 2023 को भागीदारी करेंगे। शोधार्थियों ने इस कांफ्रेंस में भागीदारी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड से वित्तीय सहायता भी मांगी है। इसके अलावा, शोध कार्य में अन्य शोधार्थी तथा केंद्रीय औषधीय अनुसंधान संस्थान की डॉ. दिव्या सिंह और डॉ. कृति शर्मा शामिल हैं। शोधार्थियों के पीएचडी सुपरवाइजर डॉ. सी आर गौतम ने उनके शोध प्रगति से खुशी व्यक्त की है। परियोजना में शामिल अन्य शोधार्थियों, जैसे रजत कुमार मिश्रा, सविता कुमारी, एजाज हुसैन और जैरिन फातिमा के योगदान की भी सराहना की। इनके सामूहिक प्रयासों ने मटेरियल साइंस और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

उपलब्धि

- 8वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग में प्रस्तुतिकरण की मिली मंजूरी

"विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि हमारे दो शोधार्थीयों को इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के लिए चुना गया है। उनकी भागीदारी सिर्फ उनके विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने के साथ-साथ लखनऊ विश्वविद्यालय को वैश्विक वैज्ञानिक मंच पर भी रखेगी।

-प्रो. आलोक राय, कुलपति, लविवि

श्वेता का यह है विषय

दूसरी ओर, श्वेता की प्रस्तुति डोप्ड मशीनेबल सिलिकेट ग्लास सिरेमिक के संरचनात्मक, मौर्फोलॉजिकल और मैकेनिकल परिदृश्य: बायोमेडिकल उपयोगों के लिए" पर विचार करेगी। उनके शोध में, डोप्ड मशीनेबल सिलिकेट ग्लास सिरेमिक की संरचनात्मक, मौर्फोलॉजिकल और मैकेनिकल विशेषताओं का अध्ययन होगा, जो इसे बायोमेडिकल क्षेत्र में संभावित उपयोगों की ओर खोलेगा।

सर्वेश का यह है विषय

सर्वेश कुमार अविनाशी की प्रस्तुति का टॉपिक मोर्फोलॉजिकल, मैकेनिकल और बायोलॉजिकल विकास पर होगी, जिसमें हाइड्रॉक्सीएपाटाइट और टाइटेनियम कार्बाइड के संयोजन का अध्ययन किया जाएगा, जो इसे बायोमेडिकल क्षेत्र में संभावित उपयोगों की जांच करेगा।